

सबसे आश्चर्यजनक रहस्य - अर्ल नाइटिंगेल

रिकॉर्डिंग की महत्वपूर्ण बातों का Mind Map

इस Mind Map को ऑनलाइन देखें <https://bit.ly/2E8ZyNw>

यह एक प्रतिलिपि (transcript) नहीं है, इसलिए आप पाएंगे कि इसमें शब्द हिंदी रिकॉर्डिंग से हू-ब-हू नहीं मिलते।

अगर आप को कोई गलतियाँ दिखें तो कृपया मुझे बताएँ, मैं उनको ऑनलाइन version में जल्द ही ठीक करने की कोशिश करूँगा - मानिक

   @manikgrover



सबसे आश्चर्यजनक रहस्य - अर्ल नाइटिंगेल (बाएँ से दाएँ जाएँ, +/- के लिए बिंदु वाले गोले दबाएँ)

क्ति

1 0 यह आश्चर्यजनक और रहस्य क्यों है?

1 1 जीवन एक उत्तेजनापूर्ण अभिया

1 परिचय

★ समस्या: आदमी सोचता नहीं है

आदमी हजारों वर्षों से इस सुनहरे युग के लिए महनत कर रहा है, पर उस संघर्ष को भूल गया है और इसे प्रदत्त मान लिया है (मुफ्त में मिला हुआ)

★ ६५ वर्ष की आयु के १०० पुरुषों का सर्वेक्षण - केवल 5 ही सफल रहे और किसी स्तर तक पहुँच पाए

2 सफलता की परिभाषा

★ किसी महान लक्ष्य को स्पष्ट निर्धारित कर उस दिशा में आगे बढ़ना

★ हर वो आदमी सफल है जो पहले से सोचा और निर्धारित काम काफ़ी सोच विचार के कर रहा है क्योंकि यह वोही काम है जो उसने सोच विचार कर करने का फ़ैसला किया था

२० में से सिर्फ़ एक ही आदमी ऐसा करता है

किसी से कोई प्रतियुस्पर्धा (Competition) करने की वजह हमें अपना कोई मौलिक सृजित और स्थापित करना है (Create something original)

3 अनुरूपता

★ साहस की विपरीत चीज़ कायरता नहीं, अनुरूपता (Conformity) है

हम उन ९५% का अनुकरण कर रहे हैं जो कामयाब नहीं हुए

लोग औरों की नक़ल इसलिए करते हैं की वो बाहरी शक्तियों से निर्देशित होने वाले लोग हैं, जिनका विश्वास है कि परिस्थितियों ने उनका जीवन एक साँचे में गढ़ दिया है (a life moulded by circumstances)

सर्वेक्षण: २० में से १९ लोग बिना सोचे दूसरे की नक़ल करते हैं

4 लक्ष्य

बहुत लोगों को कड़ी मेहनत और ईमानदारी करके भी कुछ खास हासिल नहीं होता जबकि कुछ लोगों को बिना मेहनत किए ही बहुत कुछ हासिल हो जाता है (जैसे वो जिसे छू लें, वो सोना हो जाए The Midas Touch)

कामयाब लोग सफलता की दिशा में ही प्रयत्नशील रहते हैं जबकि असफल व्यक्ति असफलता की दिशा में ही काम करता रहा

लक्ष्य साथ रखने वाले व्यक्ति सफल होते हैं
★ क्योंकि उन्हें मालूम होता है की किस दिशा में आगे बढ़ना है

जहाज़ के साथ समानता: एक जहाज़ जिसके पास स्पष्ट लक्ष्य है, कैप्टन और चालक दल है, और एक Map है सतप्रतिशत उस ही लक्ष्य पे पहुँचेगा जहां के लिए वह खाना हुआ था। एक ऐसा जहाज़ जिसके पास लक्ष्य और मार्ग दर्शन नहीं है वो या तो डूब जाएगा, तूफ़ान से घिर जाएगा या किसी वीरान टापू पे बंद हो जाएगा, वो कहीं पहुँच नहीं सकता

Salesman के साथ समानता: बिक्री का व्यवसाय दुनिया का सबसे आमदनी वाला पेशा है अगर हम अपने काम में कुशल हों और हमारा लक्ष्य स्पष्ट हो, इसमें तरक्की की असीम सम्भावनाएँ हैं, मगर फिर भी ऐसे कुशल लोग नहीं मिल पाते हैं

5 रोज़ी रोटी की सुरक्षा

सुरक्षा की सीमा: आज मानव जाती का पूरा ध्यान
★ मज़बूत लोगों को फ़ायदा उठाने से रोकने में नहीं, बल्कि कमजोर लोगों को नुक़सान उठाने से रोकने में है

क्राफ़िले के साथ समानता: जैसे एक क़्राफ़िला उस ही गति से आगे बढ़ता है जिससे उसकी सबसे धीमी गति वाली टुकड़ी भी साथ साथ चल सके, वैसे ही आजकल पूरी अर्थव्यवस्था अपनी सबसे कमजोर कड़ी की हिफ़ाज़त में धीमी पढ़ गयी है

यह फ़ैसला हमें करना है की (रोज़ी रोटी की) सुरक्षा की सीमा रेखा से
★ कितनी ऊँचाई का लक्ष्य हम अपने लिए निर्धारित करना चाहते हैं

6 🔑 सफलता और असफलता की कुंजी

इसे समझने से आपकी ज़िंदगी में बदलाव आएगा, आपको सौभाग्य मिल जाएगा, जो आप चाहते हैं वो साकार हो जाएगा और आप चिंताओं, समस्याओं, परिस्थितियों, शंकाओं और भए से मुक्त हो जाएँगे।

★ हम जैसा सोचते हैं वैसा ही बनते हैं

अगर हम ठोस और सार्थक लक्ष्य के बारे में सोचें तो हम उसे हासिल भी कर लेंगे

वो व्यक्ति जिसके सामने कोई लक्ष्य नहीं है और वो संशय, चिंता, भय और परेशानियों में घिरा है, वो वैसा ही हो जाएगा जैसा वो सोच रहा है

अगर कोई किसी भी चीज़ के बारे में नहीं सोच रहा है, तो वो कुछ भी नहीं बन पायेगा

सुविचार अगली slide पर

इतिहास में महान बुद्धिमान लोग (शिक्षक, दार्शनिक और पैगम्बर) बस इस ही एक मुद्दे पे सहमत रहे हैं (इस Node में बहुत से सुविचार हैं)

समृद्धि और सफलता के नियम का आधार: अगर आपकी सोच नकारात्मक हो तो नकारात्मक परिणाम ही आपके सामने आएँगे, और अगर आप सकारात्मक सोचें जो जो भी आप करेंगे उसका नतीजा भी सकारात्मक होगा

★ विश्वास करो, सफलता पाओ

इतिहास में महान बुद्धिमान लोग (शिक्षक, दार्शनिक और पैगम्बर) बस इस ही एक मुद्दे पे सहमत रहे हैं (इस Node में बहुत से सुविचार हैं)

मनुष्य का जीवन वैसा ही बनता है जैसे उसके विचार उसे बनाते हैं
- मार्क्स ऑरेलियस, महान रोमन सम्राट

यदि मनुष्य चाहे और प्रतीक्षा करे तो हर चीज़ उसे हासिल हो सकती है। बहुत गहरे और लम्बे चिंतन मनन के बाद मैं इस नतीजे पे पहुँचा हूँ कि एक निश्चित लक्ष्य वाला मनुष्य हर हाल में इसे पूरा करता है और अगर दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो उसकी राह में कोई अर्चन नहीं टिक सकती - बेंजामिन डिज़्जेली

एक आदमी वैसा ही बनता है जैसा वो दिन भर सोचता है। - राल्फ वाल्डो इमर्सन

पूरी ऋष्टि के महानतम नियमों में से एक है: अगर आपकी सोच नकारात्मक हो तो नकारात्मक परिणाम ही आपके सामने आएँगे और अगर आप सकारात्मक सोचें तो जो भी आप करेंगे उसका नतीजा भी सकारात्मक होगा। - डॉ। नॉर्मन विसेंट पील

हमारी शंकाएं इतनी विश्वास घातनी हैं कि वो हमें कोशिश करने से भी भयभीत कर देती हैं और हम उन सभी मोर्चों पे हार जाते हैं जहां हम जीत सकते थे। - विलियम शेक्सपियर

लोग हमेशा अपनी हालत के लिए अपनी परिस्थितियों को दोष देते हैं। लेकिन मैं परिस्थितियों में विश्वास नहीं करता। इस दुनिया में कामयाबी हासिल करने वाले वह लोग हैं जिन्होंने काम की शुरुआत की और अपनी मनचाही परिस्थितियाँ खुद बनायीं। - जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

महान लोगों के इस विषय में सुविचार

मेरी पीढ़ी की सबसे बड़ी खोज यह है कि मनुष्य अपनी सोच और विचारों में परिवर्तन ला कर अपने जीवन को भी बदल सकता है। जरूरत सिर्फ़ इस बात की है की हम अपने जीवन में वांशित चीजों को वास्तव में घटित हुआ मान लें, धीरे धीरे इस सोच का जीवन से ऐसा सम्पर्क स्थापित होता जाएगा कि वांशित चीजें वास्तव में यथार्थ बन दरसल हमारी सोच, हमारी आदतों और हमारी भावनाओं से इस कदर गुथ जाती हैं कि हमारा विश्वास साकार हो जाता है। यदि आप किसी परिणाम विशेष के बारे में काफ़ी ज़्यादा सोचें तो आप निश्चित तौर से उसे हासिल भी कर लेंगे। अगर आप अमीर बनने की इच्छा रखते हैं, तो निश्चित तौर पे आप अमीर बन जाएँगे। यदि आप विद्वान बनना चाहते हैं, तो आप विद्वान बनेंगे। अगर आप भला बनना चाहते हैं, तो आप निश्चित तौर पे भले बन जाएँगे। आपको सिर्फ़ यह करना है कि वस्तु विशेष या लक्ष्य के लिए वास्तविक इच्छा शक्ति विकसित करें और उस दौरान एक वोहि लक्ष्य आपके सामने हो। ऐसा ना हो कि एक समय पे सैंकड़ो अलग अलग चीजों पर आपका ध्यान भटके" - विलियम जेम्स

जो विश्वास करता है, उस के लिए सब कुछ संभव हैं। -
बाइबिल मार्क 9:23

किसान और ज़मीन से समानता: ज़मीन को यह फ़रक नहीं पड़ता कि किसान क्या बोता है (अनाज या ज़हरीला बीज), वह जो कुछ भी बोता है ज़मीन उसे वोहि लौटाएगी (अन्न या ज़हर)

★ आप जैसा बोएँगे वैसा ही काटेंगे - बाइबल

मानव मन ज़मीन से बहुत ज़्यादा भरोसेमंद, उर्वर और चमत्कारी है पर ज़मीन के सिद्धांत पे ही काम करता है

मानव मन को भी इस बात से कोई मतलब नहीं है कि
★ हम उसमें कैसे विचार बोतें हैं, बस जो भी इसमें बोया जाएगा वो उस ही की फ़सल आपको वापिस लौटाएगा

मानव मस्तिष्क इस धरती में एक मात्र अंतिम महदेश है जिसका
★ अन्वेषण अब तक नहीं हुआ। इसमें हमारी कल्पना से भी ज़्यादा सुख समृद्धि भरी पड़ी है। जो भी हम बोएँगे, यह हमें वोहि लौटाएगा.

आप सकारात्मक विचार बोएँगे तो कामयाबी की फ़सल काटेंगे और नकारात्मक विचार बोएँगे तो नाकामी ही हाथ लगेगी

लोग अपने मस्तिष्क का अधिक इस्तेमाल नहीं करते,
★ हमें यह निशुल्क मिला है इसलिए हम इसे महत्व नहीं देते (घर की मुर्गी दाल बराबर)

★ जो चीजें हमें मुफ़्त मिलती हैं उनको हम बहुत कम महत्व देते हैं, सिर्फ़ पैसे से आने वाली चीजों को ही महत्व देते हैं

हकीकत में विपरीत बात सत्य है: जो चीजें वास्तव में महत्वपूर्ण हैं, वो सब हमें निशुल्क उपलब्ध हैं: हमारा मस्तिष्क, आत्मा, शरीर, आशाएँ, आकांशाएँ, बुद्धि, प्रेम और प्रकृति के उपहार: हवा, धूप, और पानी

पैसे से खरीदी चीजें बदली जा सकती हैं पर प्रकृति से मिली चीजें कभी भी बदली नहीं जा सकतीं

मानव मन की शक्तियों का भरपूर उपयोग नहीं हुआ है। मन इतना शक्तिशाली है की इसे जो भी काम सोंपा जाए यह कर सकता है पर हम छोटे मोटे कामों के लिए ही इसका इस्तेमाल करते हैं। हम में से अधिकांश लोग अपनी क्षमता का १०% ही इस्तेमाल करते हैं, पेश क्षमता अनछुई रह जाती है।

8 लक्ष्य + सफलता की कुंजी

नियम: अपने लक्ष्य रूपी बीज का रोपण अपने दिल-ओ-दिमाग में कर लें (Sow the Seed of your Goals in your Mind),
★ जतन से एकाग्रचित होकर इसकी देखभाल करें, लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ें, कार्यशील रहें और एक दिन आपका सपना हकीकत में बदल जाएगा

★ विधि

★ सकारात्मक दिशा में अपने लक्ष्य के बारे में सोचिए

★ हमेशा जागी आँखों से सपना देखिए कि आपने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है

उन कामों के बारे में सोचिए और खुद को उन्हें
★ करता हुआ भी देखिए जो लक्ष्य तक पहुँचने के बाद आपको करने हैं

9 सोच और विचारों की शक्ति

चिकित्सा विज्ञान ने स्वास्थ्य और लम्बी उमर पाने में सफलता हासिल कर ली है (Longevity), पर लोग समस्याओं से जूझने में तनावग्रस्त हो रहे हैं (Anxiety) और खुद को असामयिक मौत की तरफ धकेल रहे हैं (Untimely death)

हर एक व्यक्ति अपनी समस्त सोच का ही योगफल होता है।
★ वो स्वीकार करे या ना करे, वो आज जिस स्थिति में है, वो उसकी सोच का ही नतीजा है।

हम भविष्य में अपनी सोच का ही प्रतिफल मिलने वाला है। हमारी सोच की दिशा से हमारा भविष्य जीवन निर्धारित होगा। आपका मन मस्तिष्क ही आपके सम्पूर्ण व्यक्तित्व और जीवन को निर्देशित करता है (We are guided by our Mind)

एक भारी मशीन की तुलना मानव मस्तिष्क से की जा सकती है: मस्तिष्क की विशाल ऊर्जा का नियंत्रण हमारे अपने हाथों में है,
★ हम इस मशीन को इस ही के भरोसे छोड़ कर किसी खड में जाने दे सकते हैं, या फिर इसकी ताकत किसी खास उद्देश्य की तरफ लगा सकते हैं (You're in the Driver's seat)

यह नियम एक दो-धारी तलवार की तरह है, हमें अपनी सोच और विचारों पे नियंत्रण रखना चाहिए: एक तरफ यह हमें सफलता, सुख, समृद्धि दे सकता है और दूसरी तरफ यह हमें गटर में भी धकेल सकता है।

1 0 यह आश्चर्यजनक और रहस्य क्यों है?

★ यह रहस्य बिलकुल नहीं है, इसका ज़िक्र बाइबल में बार बार हुआ है लेकिन बहुत थोड़े लोगों ने इसे समझा और सीखा है, इसलिए लोगों के लिए यह अस्हचर्यजनक है और यह रहस्य ही बना रहा है।

यह अत्यंत मूल्यवान है अगर हम इसे समझ कर जीवन में लागू कर सकें (understand and implement), ना सिर्फ हमारे लिए पर उन लोगों के लिए भी जो हमारे आस पास हैं

1 1 जीवन एक उत्तेजनापूर्ण अभियान है

जीवन को नीरस और उबाऊ नहीं, एक उत्तेजनापूर्ण अभियान होना चाहिए। आदमी को अपनी ज़िंदगी पूरी ज़िंदादिली से भरपूर जीनी चाहिए, सुबह नींद टूटने पर खुश होना चाहिए, अपना मनपसंद व्यस्त्य करना चाहिए क्योंकि वो इसे बेहतर ढंग से करता है

लोग मूल रूप से भले होते हैं और हम सब कहीं से आए हैं और हमें कहीं जाना है इसलिए इस धरती में बीच का समय हमें एक रोमांचक अभियान की तरह बिताना है। - ग्राव पैटर्सन, सम्पादक

ऋषि के रचेता ने कहीं पहुँचने के लिए कोई सीढ़ी नहीं बनायी है (The architect of the universe didn't build a stairway leading nowhere!)

तुम जैसा विश्वास करोगे वो तुम्हारे समक्ष सत्य बनके अवतरित होगा - महान शिक्षक (येशु)

★ हम मूल्य चुकाए बिना कुछ भी हासिल नहीं कर सकते

★ प्रत्येक क्रिया की बिलकुल समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है
- सिर आइज़क नूटॉन का भौतिकी नियम

३० दिन के टेस्ट का नतीजा उस ही अनुपात में होगा जिस अनुपात में आपने प्रयास किया होगा

★ यह मूल्य क्या है?

१) नियम को समझना: बौद्धिक और भावनात्मिक रूप से समझिए की हम जैसा सोचते हैं, जैसा ही बनते भी हैं,
★ इसलिए अपने जीवन को नियंत्रित करने के लिए हमें अपने विचारों को नियंत्रित करना होगा (जैसा हम बोएँगे, वैसा हम काटेंगे)

२) कल्पना: अपने मन से सब बेड़ियों और अड़चनों को काट फेंके और उसे ऊँची उड़ान भरने दें। यह सोच के काम हो आगे बढ़ाएँ की यही काम हमारे लिए दैविए रूप से निर्धारित है, सब ही सीमा रेखाएँ हमारी खुद की बनायी हुई हैं (your limitations are self-imposed) और हमारे सामने कल्पना से भी बढ़कर अवसर मौजूद हैं। संकीर्णताओं (narrow-mindedness) और पूर्वग्रहों (biases) से ऊपर उठें

३) साहस: अपनी समस्या पे सकारात्मक रूप से सोचने के लिए खुद को प्रेरित करने के लिए क्षमता और साहस का इस्तेमाल करें। एक स्पष्ट और निर्धारित लक्ष्य निर्धारित करें। अपने मस्तिष्क को अपने लक्ष्य के बारे में सभी कोणहो से विचार करने का अवसर दें। अपनी कल्पना को खुली छूट दें ताकि वो हर सम्भावित समाधान की परख कर सके। यह विश्वास करने से इनकार करें की लक्ष्य की प्राप्ति में कोई परिस्थिति आपको हरा सकती है। जब आपको लक्ष्य तक का मार्ग स्पष्ट दिखे तो तत्पर्ता से फ़ैसला लेते हुए काम करें। याद रखें की आप अपनी अपलब्धियों के क्षेत्र के बीच-ओ-बीच खड़े हैं (You're standing in the middle of your own Acres of Diamonds - Russell Convoy)

★ ४) बचत: जो कुछ भी कमाएँ उसका १०% निश्चित रूप से बचाएँ

★ ५) कार्य: कोई भी विचार तब तक व्यर्थ है जब तक हम उसे कार्यम्बित नहीं करते हैं। आपका व्यवसैय जैसा भी है, अगर आप मूल्य चुकाने को तैयार हैं, तो उसमें अनंत संभावनाएँ भारी बड़ी हैं

★ लक्ष्य कार्ड की विधि (हम क्या चाहते हैं)

- ★ 0 लक्ष्य तय कीजिए: एक कार्ड की एक तरफ अपना एक लक्ष्य लिखिए जिसे आप सबसे ज्यादा पाना चाहते हैं और दूसरी तरफ धरम उपदेश की बतायी गयी 3 पंक्तियाँ
- ★ 1 देखिए: अपने कार्ड को किसी और को ना दिखाइए पर इसे अपने पास रखें ताकि दिन में कई बार आप इसे देख सकें
- ★ 2 सोचिए: अपने लक्ष्य के बारे में हर दिन नींद से जागने पर, रात को सोने जाने से पहले, और दिन में जितनी बार हो सके, प्रफुल्य और शांत चित से सोचिए
- ★ 3 याद रखें: जैसा आप सोचते हैं वैसा ही बनते हैं, और क्योंकि आप अपने लक्ष्य के बारे में सोच रहे हैं, बहुत जल्दी ही आप इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे
- ★ 4 प्रचुरता: अपने आस पास फैली प्रचुरता को देखिए, इस पे आपका भी उतना ही हक है जितना और किसी का। यदि आप चाहें और प्रयत्न करें तो यह प्रचुरता आपकी हो सकती है

★ जिस चीज़ से डर लगता है उसके बारे में सोचना बंद कर दें: आपके मस्तिष्क का नियंत्रण (भय) पूरी तरह आपके हाथों में होना चाहिए, दिमाग को वो ही सोचना होगा जिसकी अनुमति आप दें

- ★ 1 जिस चीज़ से भी आपको डर लगता हो उसके बारे में सोचना बंद कर दीजिए
- ★ 2 हर बात जब कोई नकारात्मक खयाल आपके मन में आए, अपने सकारात्मक और महत्वपूर्ण लक्ष्य का विचार और उसकी सजीव कल्पना अपने मन में ले आइए

★ और ज़्यादा काम करें

उत्साही सकारात्मक रुख बनाने के लिए पहले से भी ज़्यादा कोशिश करें

★ समझिए: जीवन में आपको उस ही अनुपात में कुछ मिलेगा जिस अनुपात में आप लगाएँगे

जानिए: जिस क्षण आप किसी लक्ष्य की दिशा में काम करने का फैसला करते हैं उस ही क्षण आप सफल बन जाते हैं और उन ५% लोगों की श्रेणी में आ जाते हैं जिन्हें मालूम है वो किधर जा रहे हैं

★ लक्ष्य कैसे हासिल करना है इसमें ज़्यादा ना उलझें

इसे उस शक्ति पे छोड़ दीजिए जो आपसे ज़्यादा समर्थ है

बाक़ी प्रश्न जैसे सामने आएँगे उनका जवाब भी खुद-ब-खुद मिलता जाएगा

धर्म उपदेश के यह उपदेश हर दिन याद रखिए,
यह सहज हैं पर चमत्कारी भी

★ प्रश्न पूछो और उसका उत्तर तुम्हें प्राप्त होगा

★ खोजो और तुम उसे पा लगे

★ दस्तक दो, तुम्हारे लिए द्वार खुलेगा

★ सिर्फ़ स्पष्ट लक्ष्य और विश्वास की ही ज़रूरत है

★ इस तरह काम करो मानो असफल होना असम्भव है - डॉरथीअ ब्रांड, लेखिका

★ लगन: तब तक परीक्षा शुरू ना करें जब तक आप इस से जुड़े रहने के लिए खुद को तय्यार ना कर लें

दृढ़ लगन विश्वास का ही दूसरा नाम है

अगर ३० दिनों के दौरान आप असफल हो जाएँ (नकारात्मक विचारों से पराजित हो जाएँ) तो फिर से ३० दिनों की शुरुआत करें। धीरे धीरे आपकी नयी आदत बन जाएगी)

★ मन की स्थिति सकारात्मक रखें

अपनी प्रेरणा को शीर्ष बिंदु पे रखें, प्रेरक पुस्तकें पढ़ें क्योंकि जीवन में कोई भी महान कार्य प्रेरणा की बिना सम्पन्न नहीं हुआ है

शांत और प्रसन्नचित्त बने रहें

★ चिंता बिलकुल मत करें

★ चिंता भय को जन्म देती है और भय जीवन को तोड़ देता है

आपको अपना लक्ष्य अपने सामने बिलकुल स्पष्ट रखना है, बाकी सब चीजें अपने आप तैय होती चली जाएंगी

मैं यह परीक्षा क्यों करूँ

विकल्प सोचें: जीवन में कोई भी असफल होना नहीं चाहता है, अधकचरा रहना नहीं चाहता, कोई नहीं चाहता की जीवन चिंता, भय और निराशा से भरा हो

जो आप बोएँगे, वोही काटेंगे

यदि आप नकारात्मक विचारों की फ़सल बोते हैं, तो आप नकारात्मक सोच से भरे रहेंगे।

यदि आप सकारात्मक विचारों को बोते हैं, तो आपका जीवन प्रसन्नचित्त, सफल और सकारात्मक होगा।

1 3 इस record को नियमित अंतराल में सुनें

सुनी गयी बातें धीरे धीरे भूलने लगती हैं इसलिए नियमित अंतराल में अपने परिवार के साथ इस record को बजाकर खुद को याद दिलाते हैं की नयी आदत विकसित करने के लिए आपको क्या करना है

★ 1 4 पैसा कमाने का एकमात्र तरीका लोगों को सेवाएँ उपलब्ध कराना है

नियम: हम अपने उत्पाद या सेवा का विनमय की लोगों के पैसों से करते हैं, हमें उस ही अनुपाद में लाभ हासिल होगा जिस अनुपाद में हम लोगों की सेवा करेंगे (बिना कीमत चुकाए कुछ हासिल नहीं होता)

नियम: सफलता के परिणाम स्वरूप की हम पैसा कमा पाते हैं (ना कि विपरीत) और सफलता उस अनुपात में हासिल होगी जिस अनुपात में हम परिश्रम करेंगे

अंगीठी और लकड़ी से समानता

जैसे ईंधन डालने पर ही अंगीठी से आग मिलती है, वैसे ही हमें पहले अपने सेवा कार्यों पे ध्यान देना चाहिए और फिर पैसों की उम्मीद करनी चाहिए

अपने आप को कभी पैसों से मत जोड़ें, परिश्रम, सेवा कार्यों, सपनों और उन्हें साकार करने की इच्छा से जोड़ें (Build, Dream, Work, Create!)

परस्पर विनमय का नियम: कोई भी व्यक्ति जो समृद्धि के लिए परिश्रम और काम करता है जो स्वयं को समृद्ध बनाता है। शायद परिणाम आपको उन लोगों से ना मिले जिनकी आप सेवा कर रहे हैं, बल्कि किसी और जगह से मिले क्योंकि यह नियम है: प्रत्येक क्रिया की समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है

आपकी सफलता हमेशा उस सेवा के परिमाण और गुणवत्ता से मापी जाएगी जो आपने लोगों को उपलब्ध करायी है। पैसा सिर्फ इस सेवा को मापने का एक पैमाना है

यदि आप और अधिक पैसा चाहते हैं तो आपको लोगों को और अधिक सेवा उपलब्ध करानी होगी

यदि आप कम की चाहत रखते हैं तो अपनी सेवा के परिमाण में कमी करनी होगी

कोई भी व्यक्ति तब तक समृद्ध नहीं बन सकता जब तक वो औरों को समृद्ध ना करे

आप औरों को दरकिनार (Bypass) करके खुद को समृद्ध नहीं कर सकते, ऐसा करके आप खुद को ही दरकिनार कर लेंगे

आप जितना कुछ देंगे उतना ही आपको वापिस मिलेगा

सफलता पाने के 6 सूत्री उपाए -

★ 1 6 डॉक्टर डेविड हैरल्ड फ्रिंक, एम. डी.,
मशहूर मनोचिकित्सक

★ 1 एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित करें

★ 2 अपने को कम आंकने वाली नकारात्मक सोच को त्याग दें

★ 3 उन सभी कारणों पे विचार करना बंद कर दें जो आशंखा जतलाते हैं की आप सफल नहीं हो सकते, इसके स्थान पर उन कारणों के बारे में सोचें जो आपको सफल होने का विश्वास दिलाते हैं

★ 4 अगर नकारात्मक विचार ही आप पे हावी हैं तो अपने बचपन के दिनों तक लौट कर उन कारणों को धूँड निकालने की कोशिश करें जिनकी वजह से पहले पहल यह बात आपके मन में बैठ गयी कि आप सफल नहीं हो सकते

★ 5 किसी ऐसे व्यक्ति का वर्णन लिख के जिसे आप आदर्श रूप में अपनाना चाहते हैं (The person you would like to be) अपने विषय में अपनी धारणा को बदलें

★ 6 आपने जिस आदर्श व्यक्ति का अनुसरण करने का फ़ैसला किया है उसकी जगह पे स्वयं को रख कर सोचें और उसका अभिनय करें (Act the Part of the person you have decided to become!)

1 7

आप जैसा बनना चाहते हैं वैसा बनने की कीमत चुकाएँ

३० दिन का परीक्षण पूरा करें, और इसे बार बार दोहराएँ, हर बार यह आदतें आपके साथ आत्मसाथ होती जाएँगी

इस नए ढंग से जीवन जिएँ - प्रचुरता का द्वार आपके लिए खुल जाएगा और चारों ओर से सुख समृद्धि की ऐसी वर्षा होगी जिसके बारे में अपने कभी सोचा नहीं होगा, आपको भरपूर पैसा भी मिलेगा और शांति भी

आज से ही आरम्भ कीजिए, खोने के लिए आपके पास कुछ नहीं है जबकि पाने के लिए बिलकुल नया जीवन आपके समुख है (You have nothing to lose, but a whole Life to win!)



“हम जैसा सोचते हैं, वैसा ही बनते हैं”

—अर्ल नाइटिंगेल

धन्यवाद

अगर आप को कोई गलतियाँ दिखें तो कृपया मुझे बताएँ, मैं उनको ऑनलाइन version में जल्द ही ठीक करने की कोशिश करूँगा - मानिक

